LIBRARY

School of Planning And Architecture ,Bhopal

S.No. 20 (July 2024)

12/08/2024

दैनिक भास्कर पेज न .8

यहां देश के हर कोने से आते हैं छात्र • मैनिट, आइसर, एम्स, निफ्ट और एसपीए जैसे संस्थानों में अध्ययन का मौका गर्व की बात

9 राष्ट्रीय संस्थान... यहां 100% तक प्लेसमेंट

भोपाल | भोपाल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका यहां स्थापित 9 राष्ट्रीय संस्थानों की है। ये वे संस्थान हैं, जो इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर और रिसर्च से लेकर डिजाइन, पर्यावरण और आईटी के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं। इन्होंने सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि केंद्र और कई राज्यों की परियोजनाओं को भी पूरा करने में अहम योगदान दिया है। यहां से पासआउट स्टूडेंट कई देशों में कार्यरत हैं। यही कारण है कि इन इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को एडमिशन मिलना कठिन होता है। हालांकि जिन छात्रों को एडमिशन मिल जाता है, उनका भविष्य सुरक्षित माना जाता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

अब तक 4 बैच निकल चुके हैं... 99 फीसदी छात्रों को मिल चुकी है बड़ी कंपनियों में नौकरी

• **योगदान:** ट्रिपलआईटी ने उच्च-स्तरीय तकनीकी शिक्षा और रिसर्च के माध्यम से देशभर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। इससे इंडस्ट्री के लिए स्किल्ड मेनपॉवर तैयार हो रही है। इसके अलावा स्थानीय समुदाय और क्षेत्रीय उद्योगों के साथ सहयोग कर उन्हें तकनीकी समर्थन और परामर्श प्रदान किया है। विभिन्न परियोजनाओं और नवाचारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

• **प्लेसमेंट:** हर साल लगभग 99% छात्रों का विभिन्न प्रमुख कंपनियों में प्लेसमेंट होता है। साल 2023 में पासआउट बैच का प्लेसमेंट परसेंटेज 99.2 रहा था, जिसमें छात्रों ने औसतन 22.5 लाख रुपए तक के ऑफर प्राप्त किए थे। वर्ष 2024 की प्लेसमेंट ड्राइव अभी जारी है और अभी तक 80% छात्रों का प्लेसमेंट हो चुका है।

एजुकेशन क्वालिटी: फैकल्टी सदस्य प्रतिष्ठित संस्थानों से आए हैं। पाठ्यक्रम को नियमित अपडेट किया जाता है ताकि यह उद्योग की वर्तमान मांगों और प्रगति से तालमेल बिठा सके। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ छात्रों को इंडस्ट्री की वास्तविक समस्याओं पर काम करने के लिए प्रोजेक्ट और इंटर्नशिप के अवसर दिए जाते हैं।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

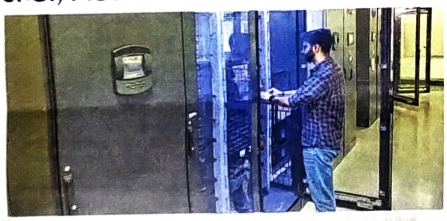

देशभर के एनआईटी में भोपाल का प्लेसमेंट सबसे अच्छा; पिछले साल मिला ₹82 लाख का पैकेज

• **योगदान:** मैनिट ने उद्योगों और अन्य अकादमिक संस्थानों के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनसे पूरे देश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को बढ़ावा मिला है। शिक्षक और शोधकर्ता नए-नए शोध और तकनीक पर काम कर रहे हैं, जिससे तकनीकी विकास में मदद मिल रही है। वर्ष 2022-23 में प्रकाशित कुल स्वीकृत पेटेंटों की संख्या 24 है।

• **प्लेसमेंट:** 2023-24 में प्लेसमेंट 80% से ज्यादा रहा है। कंप्यूटर साइंस विभाग में 90%, केमिकल मे 84%, मैकेनिकल में 80% और इलेक्ट्रिकल विभाग में 80% रहा। अधिकतम पैकेज 82 लाख और औसत पैकेज 11 लाख रहा। प्लेसमेंट के लिए लगभग 500 राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय कंपनी आई। 2024 में प्रक्रिया जारी है। 50% से ज्यादा स्टूडेंट्स का प्लसमेंट हो चुका है।

एजुकेशन क्वालिटी: मैनिट में पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि वह वर्तमान और भविष्य की उद्योग की जरूरतों को पूरा कर सके। अंतरविषयक पढ़ाई, व्यावहारिक प्रशिक्षण, और अनुसंधान पर ध्यान दिया जाता है, जिससे मैनिट के छात्र तकनीकी क्षेत्र में अच्छी तरह से तैयार होकर निकलते हैं और वे नवाचार और नेतृत्व में भी सक्षम होते हैं।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट

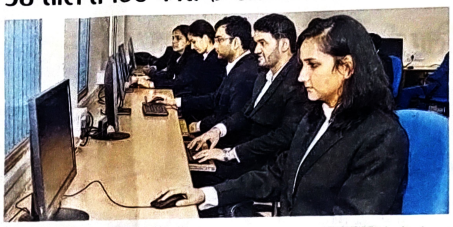

एशिया का पहला फॉरेस्ट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, 38 साल से 100 फीसदी प्लेसमेंट का रिकॉर्ड

• **योगदान:** संस्थान ने खुद को पर्यावरण क्षेत्र में एजुकेशनल, ट्रेनिंग, रिसर्च और कंसल्टेंसी ऑर्गनाइजेशन के रूप में विकसित किया है। यह एकमात्र राष्ट्रीय संस्थान है जो फॉरेस्ट्री मैनेजमेंट में एजुकेशनल प्रोग्राम चलाता है। फॉरेस्ट्री, क्लाइमेंट चेंज, लाइवलीहुड, ईकोटूरिज्म के विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए पॉलिसी इनपुट आवश्यक परामर्श प्रोजेक्ट किए जाते हैं।

• **प्लेसमेंट:** हर साल 225 छात्रों को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम में प्रवेश दिया जाता है। आईआईएफएम का अपने प्रमुख कार्यक्रम में पिछले 38 वर्षों से सौ प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड रहा है। वर्तमान में 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के छात्र अध्ययन कर रहे हैं। आईआईएफएम अपने इन्क्यूबेशन सेंटर के जरिये युवा उद्यमियों को तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

एजुकेशन क्वालिटी: यहां 12 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हैं। संस्थान ने यूएनसीसीडी, आईटीटीओ, एफएक्यू, यूएनडीपी, यूएसएफएस, विश्व बैंक जैसे समूहों के साथ एकेडमिक प्रोजेक्ट पर काम किया है। आईआईएफएम को वन अनुसंधान संस्थान विवि, देहरादून द्वारा अपने डॉक्टोरल कार्यक्रम के लिए नोडल अनुंसधान केंद्र के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन

देश के 5 एनआईडी में भोपाल कैंपस छात्रों की दूसरी पसंद

• **योगदान:** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन भोपाल तीन विभागों- टेक्सटाइल एंड अपेरल डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन और कम्युनिकेशन डिजाइन के साथ इनोवेशन को प्रोत्साहित करता है, जिससे भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्कृष्ट पेशेवर डिजाइनर तैयार हो सकें। भोपाल के अलावा अहमदाबाद,गांधी नगर, बैंगलुरु, हरियाणा में भी एनआईडी है।

• **प्लेसमेंट:** एनआईडी भोपाल में प्लेसमेंट की स्थिति अच्छी है। 2023 में यहां का पहला बैच ग्रेजुएट हुआ है और यहां के अधिकांश छात्रों ने इंडस्ट्री में अपनी जगह सुनिश्चित की है। कुछ छात्रों ने अपने इंडिपेंडेंट प्रोजेक्ट्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलताएं हासिल की हैं। संस्थान का लक्ष्य और प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ साझेदारी बढ़ाना है, जिससे छात्रों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

एजुकेशन क्वालिटी: यहां छात्रों को व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों प्रकार की शिक्षा दी जाती है। अनुभवी फैकल्टी, अत्याधुनिक सुविधाएं और उद्योग के साथ मजबूत संबंध, छात्रों को एक उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हैं। संस्थान का शिक्षा मॉडल डिजाइन थिंकिंग, क्रिएटिविटी और प्रैक्टिकल एप्रोच पर आधारित है, जो छात्रों को नवाचार और पेशेवर उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करता है।

आईआईएसईआर

मोर, बरगद की जीनोम सिक्वेंसिंग करने वाला देश का पहला संस्थान

• **योगदान:** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च की बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि यहां मोर, बरगद, पीपल और भारतीय गाय की जीनोम सिक्वेंसिंग की गई है। ऐसा करने वाला यह देश का पहला संस्थान है। इंस्टीट्यूट में 166 करोड़ के फाइनेंशियल आउटले के साथ 542 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। 9 पेटेंट मिले हैं।

• **प्लेसमेंट:** प्रतिवर्ष 80% से अधिक विद्यार्थियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक/शोध संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट मिलता है। 50 छात्रों का एमआईटीएसीएस ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप (माइटैक्स, कनाडा) में चयन हुआ। 11 छात्रों का पीएम रिसर्च फैलोशिप में चयन हुआ।

एजुकेशन क्वालिटी: आईआईएसईआर प्राकृतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, आर्थिक विज्ञान और मानविकी के विषयों में बीएस, एमएससी, पीएचडी कार्यक्रमों के माध्यम से हाई क्वालिटी एजुकेशन दे रहा है। संस्थान को नेचर इंडेक्स, एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग एजेंसियों द्वारा उच्च स्थान दिया गया है।

एनआईटीटीटीआर

डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा, छात्रों के लिए खुलेगा कैंपस

• **योगदान:** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च ने टीचिंग प्रोसेस, कक्षा व प्रयोगशाला आधारित नवाचारी शिक्षण, इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटर्नशिप, करिकुलम डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर अलग स्थान बनाया है। यहां अब टीचर्स को ट्रेनिंग तो मिलेगी ही छात्र भी यहां से डिग्री ले सकेंगे।

• **प्लेसमेंट:** अभी यहां स्टूडेंट्स नहीं है। संस्थान में वर्तमान सत्र से लेटेस्ट एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पीएचडी एवं पीजी प्रोग्राम्स का संचालन हो रहा हैं, जो लर्नर्स सेंट्रिक तथा लर्निंग बाय डूइंग एंड लर्निंग बाय रिसर्च पर आधारित है। यहां सिर्फ डिग्री नहीं बल्कि स्किल एंड कैपेबिलिटी पर फोकस किया जाएगा।

एजुकेशन क्वालिटी: 'गुणवत्ता' और 'आवश्यकता-आधारित' कार्य इंस्टीट्यूट की प्राथमिकता है। इंस्टीट्यूट को मूक कोर्सेस कंडक्ट करने में विशेषज्ञता है। ई-प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म भी निर्मित किया है। इंस्टीट्यूट में टीचर्स को इस प्रकार ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे इनोवेटर, क्रिएटर एवं डेवलपर बने एवं स्टूडेंट्स में बदलाव ला सकें।

एनआईएफटी

यहां से निकले छात्र देश के टॉप डिजाइन हाउस में करते हैं काम

• **योगदान:** शोध के क्षेत्र में निफ्ट भारत के हथकरघा एवं हस्तशिल्प पर काम करता है। विभिन्न वस्त्र, एक्सेसरीज एवं फैशन प्रबंधन में भी शोध चलता है। यहां के स्टूडेंट्स ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट के तहत चंदेरी, महेश्वर आदि जगह जाकर वहां के बुनकरों के साथ काम करते हैं। हैंडलूम पर रिसर्च और स्टडी करते हैं।

• **प्लेसमेंट:** निफ्ट भोपाल का प्लेसमेंट 70 प्रतिशत से अधिक रहता है, बचे हुए छात्र या तो उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं या अपने व्यवसाय का प्रयास करते हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स इंडिया के टॉप डिजाइन हाउस, स्टूडियो के साथ काम शुरू करते हैं। कुछ अपना खुद का डिजाइन स्टूडियो खोलते हैं।

एजुकेशन क्वालिटी: वर्ल्ड मैगजीन के अनुसार निफ्ट फैशन के क्षेत्र में विश्व का 10वां उच्चतम शैक्षणिक संस्थान है। यहां हर विभाग में 3-5 लैब हैं। फैशन डिजाइन की लैब का कॉन्सेप्ट है कि छात्र को डिजाइन कंसेप्चुलाइजेशन से लेकर फाइनल प्रोडक्ट तक प्रैक्टिकल अनुभव मिल सके।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर

मप्र के 7 रुरल क्लस्टर के लिए एसपीए ने बनाया एक्शन प्लान

• **योगदान:** देश के तीन स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर में से एक भोपाल में है। ये प्लानिंग, डिजाइन और टेक्निकल सॉल्यूशन के माध्यम से पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में योगदान दे रहा है। एसपीए द्वारा श्यामाप्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय अर्बन मिशन के अंतर्गत मप्र के 7 रूरल क्लस्टर के लिए एक्शन प्लान बनाया गया। सागर कैंटोनमेंट बोर्ड एरिया का मास्टर प्लान एसपीए द्वारा तैयार किया गया।

• **प्लेसमेंट:** 250 से अधिक स्टूडेंट्स पिछले 4 वर्षों में ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में चयनित हुए। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, अंतरराष्ट्रीय एनजीओ आदि द्वारा जॉब ऑफर की जाती है। इसके अलावा यहां के स्टूडेंट हायर स्टडी के लिए अमेरिका, यूरोप, सिंगापुर, जर्मनी फ्रांस कनाडा इत्यादि देश में जाते हैं। अटल इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए पहल की जा रही है।

एजुकेशन क्वालिटी: एनआईआरएफ रैंकिंग में देश के टॉप आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग इंस्टीट्यूशन में एसपीए भोपाल 11वें स्थान पर है। जो एसपीए विजयवाड़ा से काफी आगे है। देशभर के छात्र यहां पर प्रवेश लेते हैं। यहां बांस डिजाइन लैब और एक प्लांट लैब के साथ लगभग 8 हाईटेक प्रयोगशालाएं हैं। टाउनशिप प्लानिंग में भारतीय ज्ञान प्रणाली के लिए प्रतिष्ठित केंद्र एवं वर्नाक्युलर स्टडीज सेंटर शुरू किया है।